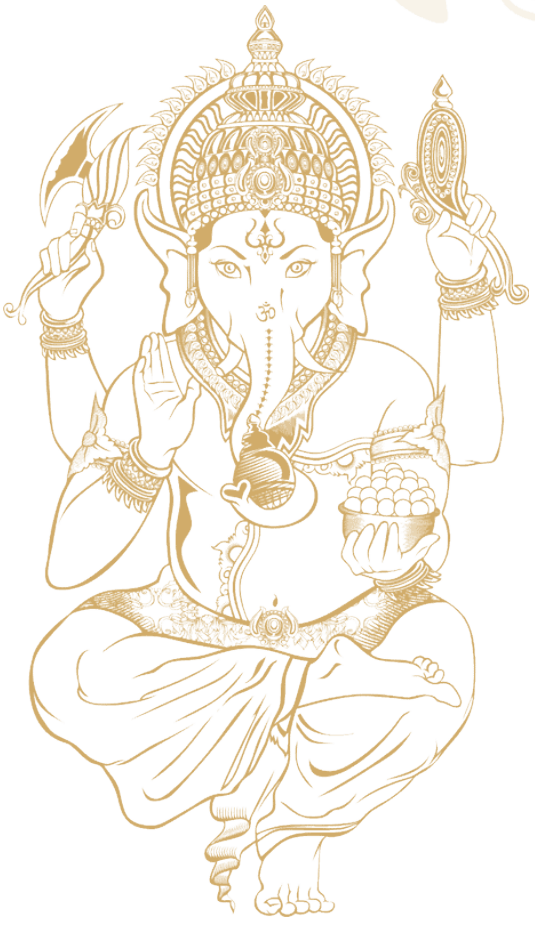

Shivam

25 Nov 2013

11:14 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121025008

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/11/2013**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**23:14:00 घंटे**
इष्ट	40:55:01 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	22:52:52 घंटे
वेलान्तर	00:13:02 घंटे
साम्पातिक काल	03:12:11 घंटे
सूर्योदय	06:51:59 घंटे
सूर्यास्त	17:24:18 घंटे
दिनमान	10:32:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	09:33:55 वृश्चिक
लग्न के अंश	29:19:48 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**मघा - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वैधृति
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	मूषक
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मू-मुकेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:19:48	310:07:33	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	09:33:55	01:00:42	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			सिंह	08:45:38	12:10:48	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
मंगल			सिंह	29:32:34	00:32:26	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध			तुला	22:01:48	01:24:29	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		मिथु	25:53:21	00:03:38	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	23:43:32	00:44:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि			तुला	22:28:17	00:07:00	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	उच्च राशि
राहु	व		तुला	13:21:58	00:00:20	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		मेष	13:21:58	00:00:20	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
हर्ष	व		मीन	14:44:21	00:01:05	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप			कुंभ	08:33:59	00:00:25	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो			धनु	15:59:47	00:01:47	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
दशम भाव			मेष	26:25:54	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:03:14

लग्न-चलित

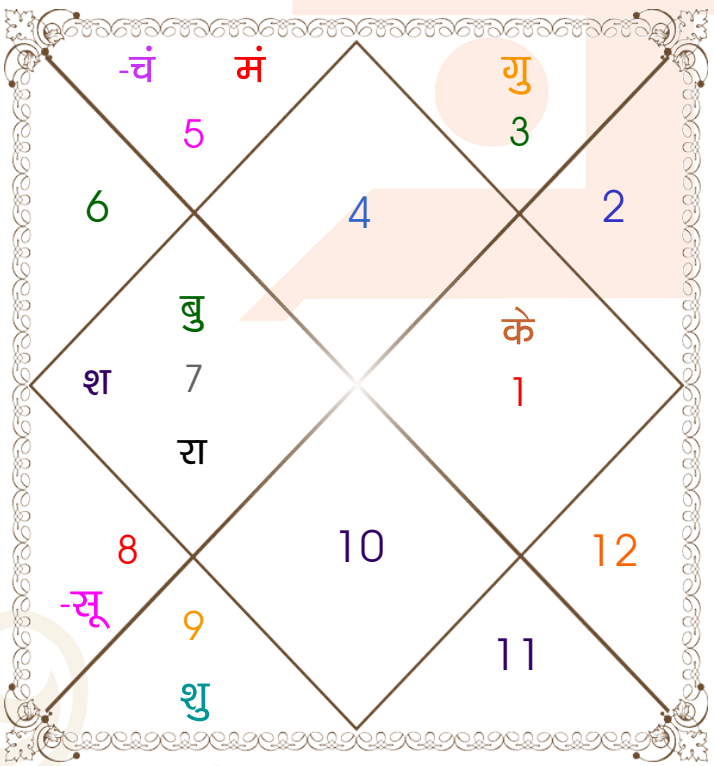

चन्द्र कुंडली

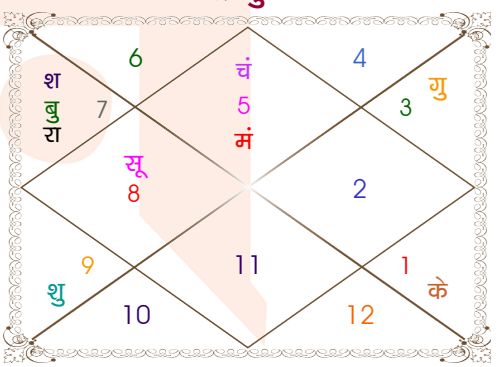

नवमांश कुंडली

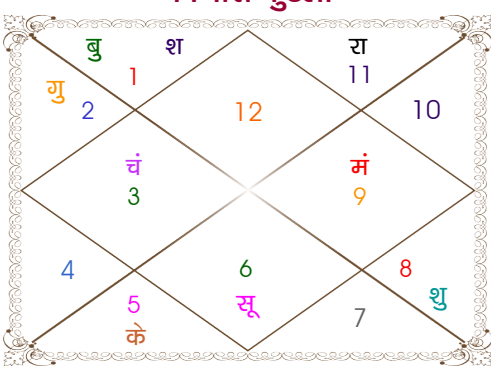

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 4 मास 24 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
25/11/2013		20/04/2016		20/04/2036		21/04/2042		20/04/2052	
20/04/2016		20/04/2036		21/04/2042		20/04/2052		21/04/2059	
	00/00/0000	शुक्र	21/08/2019	सूर्य	08/08/2036	चंद्र	19/02/2043	मंगल	16/09/2052
	00/00/0000	सूर्य	20/08/2020	चंद्र	07/02/2037	मंगल	20/09/2043	राहु	05/10/2053
	00/00/0000	चंद्र	21/04/2022	मंगल	14/06/2037	राहु	21/03/2045	गुरु	11/09/2054
	00/00/0000	मंगल	21/06/2023	राहु	09/05/2038	गुरु	21/07/2046	शनि	21/10/2055
	00/00/0000	राहु	21/06/2026	गुरु	25/02/2039	शनि	19/02/2048	बुध	17/10/2056
	25/11/2013	गुरु	19/02/2029	शनि	07/02/2040	बुध	21/07/2049	केतु	15/03/2057
गुरु	15/03/2014	शनि	20/04/2032	बुध	14/12/2040	केतु	19/02/2050	शुक्र	15/05/2058
शनि	24/04/2015	बुध	19/02/2035	केतु	21/04/2041	शुक्र	21/10/2051	सूर्य	20/09/2058
बुध	20/04/2016	केतु	20/04/2036	शुक्र	21/04/2042	सूर्य	20/04/2052	चंद्र	21/04/2059

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
21/04/2059		21/04/2077		21/04/2093		21/04/2112		22/04/2129	
21/04/2077		21/04/2093		21/04/2112		22/04/2129		00/00/0000	
राहु	01/01/2062	गुरु	09/06/2079	शनि	23/04/2096	बुध	18/09/2114	केतु	18/09/2129
गुरु	27/05/2064	शनि	20/12/2081	बुध	01/01/2099	केतु	15/09/2115	शुक्र	18/11/2130
शनि	03/04/2067	बुध	27/03/2084	केतु	10/02/2100	शुक्र	16/07/2118	सूर्य	26/03/2131
बुध	20/10/2069	केतु	03/03/2085	शुक्र	13/04/2103	सूर्य	23/05/2119	चंद्र	25/10/2131
केतु	08/11/2070	शुक्र	02/11/2087	सूर्य	25/03/2104	चंद्र	21/10/2120	मंगल	22/03/2132
शुक्र	07/11/2073	सूर्य	20/08/2088	चंद्र	24/10/2105	मंगल	18/10/2121	राहु	09/04/2133
सूर्य	02/10/2074	चंद्र	20/12/2089	मंगल	03/12/2106	राहु	07/05/2124	गुरु	26/11/2133
चंद्र	02/04/2076	मंगल	26/11/2090	राहु	09/10/2109	गुरु	12/08/2126		00/00/0000
मंगल	21/04/2077	राहु	21/04/2093	गुरु	21/04/2112	शनि	22/04/2129		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 4 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।